1	2	3	4	5	6	7
2.	गोवा	4.50	9.00	4.50	9.00	गणेश चतुर्थी हेतु सितम्बर, 94 के लिए गोवा को 4,500 मी० टन अतिरिक्त चावल का कोटा जारी किया गया और फिर नवम्बर, 94 के लिए सेन्ट फ्रांसिस जेवियर के पवित्र परावशेषों के प्रदर्शन के लिए गोवा को 4,500 टन का अतिरिक्त चावल का कोटा जारी किया गया था ।
3.	मिजोरम	5.35	5.35	7.60	7.60	मिजोरम के मासिक चावल कोटे को जून से सितंबर, 94 तक 2250 मी० टन की चार किस्तों में राज्य को मंजूर किए 9,000 मी० टन बफर/स्टॉकिंग कोटे के समायोजन के बाद अक्तूबर, 94 से कोटे को 7,600 मी० टन प्रति मास सामान्य दर पर पुन: स्थापित कर दिया गया ।
4.	सिक्किम	4.50	4.80	4.80	4.80	सिक्किम सरकार के अनुरोध पर सितम्बर से दिसम्बर, 94 तक 300 मी० टन अतिरिक्त तदर्थ चावल कोटे को मंजूर किया गया ।

खाद्यान्नों के अतिरिक्त भंडार का निर्यात

509. **श्री आम मोहम्मद** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय खाद्य निगम (एफ०सी०आई०) खाद्यान्नों के अतिरिक्त भंडार का निर्यात करने का विचार रखता है ;

(ख) यदि हां, तो कितनी मात्रा में और इनका निर्यात किन-किन देशों को किया जायेगा ;

(ग) इससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की जायेगी ; और

(घ) बढ़ते हुए मल्यों को कम करने के लिए खाद्यान्नों के अतिरिक्त भंडार को देश के भीतर ही खुले बाजार में सप्लाई न करने के क्या कारण हैं ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) से (ग) सरकार ने न्यूनतम निर्यात मूल्य सम्बन्धी किसी प्रतिबंध के बिना खुले बाजार से 1994-95 के दौरान गैर-डुरूम गेहूं का निर्यात करने के लिए 5 लाख मीटरी टन की मात्रा सीमा निर्धारित की है । भारतीय खाद्य निगम को भी 5 लाख मीटरी टन की सीमा के अन्दर अपने स्टाक से गैर-डरूम गेहूं निर्यात करने के लिए प्राधिकृत किया गया है बशर्ते कि निर्यात मूल्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत गेहूं के केन्द्रीय निर्गम मूल्य से कम न हो । तथापि, भारतीय खाद्य निगम ने अब तक केन्द्रीय पूल से गहूं की कोई

मात्रा निर्धारित नहीं की है । इसके अलावा, भारतीय खाद्य निगम को शुरू में गेहूं की खुली बिक्री हेतु निर्धारित किए गए वर्तमान मूल्यों पर राज्य व्यापार निगम को केन्द्रीय पूल से निर्यात के प्रयोजन से 50,000 मीटरी टन गेहूं बेचने के लिए प्राधिकृत किया गया है । भारतीय खाद्य निगम के स्टाक से चावल का निर्यात करने के सम्बन्ध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।

(घ) भारतीय खाद्य निगम पहले ही खुले बाजार में गेहूं और चावल, दोनों की बिक्री कर रहा है । अप्रैल, से नवम्बर, 1994 तक की अवधि के दौरान अब तक खुले बाजार में लगभग 15.53 लाख मीटरी टन गेहूं और लगभग 1.79 लाख मीटरी टन चावल बेचा जा चुका है ।

Levy Sugar

510. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the ratio of levy sugar has at present come down from 65% to 45%;

(b) whether it is also a fact that the price of levy sugar which was once Rs. 3.75 per Kilogram is now at the level of Rs. 9.05 per Kilogram;

(c) whether it is also a fact that sugar industry produces bagasse, molasses and press mud which fetch a good price for sugar industry; and

(d) if so, the reasons for which the industry is incurring losses?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir. The ratio of levy sugar has come down from 65 and is presently at 40%.

(b) Yes, Sir.

(c) Bagasse, Press mud and molasses are by-products of the sugar industry. Most factories burn the entire bagasse for steam generation during the crushing season. Press mud is a good fertilizer and is usually given to the farmers free of cost. Few factories even manage to sell some press mud and bagasse. Molasses was decontrolled, both with respect to prices and distribution on 10.6.1993 and does fetch a good price for the sugar industry.

(d) Losses could be due to a variety of factors, such as inadequate cane availability, size, age and condition of plant and machinery, technical and managerial competence, excessively high cane price not commensurate with sales realisations, etc.

चीनी विकास निधि में से चीनी मिलों को धनराशि का वितरण

511. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : *क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि* :

(क) क्या चीनी मिलों में चीनी का उत्पादन बढ़ाने के लिए चीनी विकास निधि में से 15 जुलाई, 1993 और 30 जून, 1994 के बीच बहुत बड़ी धनराशि वितरित की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या वर्ष 1989–90 में गन्ने की हुई उपज की तुलना में वर्ष 1990–91, 1991–92, 1992–93 और 1993–94 में गन्ने की प्रति हेक्टेयर उपज में कमी आयी है ;

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और 1990–91, 1992–93 और 1993–94 के दौरान गन्ने का प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादन कितना था ; और

(ङ) आंठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान गन्ने के औसत उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?